

अदधत *misstrauten* Kāṭh. 37, 7. उभेयं ऽस्य देवमनुष्या इष्टाय अदधते *Etwas halten an* TS. 1, 6, 8, 1. अदधानं श्रोतुः पुरो विभिरन्वचरत् *baugend an* (acc.) RV. 1, 103, 3. इदं क्विः अदधानो नुकेमि *vertrauensvoll, gläubig* 5, 44, 16. मृणवत्तु मे अदधानस्य देवाः AV. 4, 35, 7. 6, 122, 8. 12, 3, 7. 9, 5, 7. SHADY. Br. 2, 10. अ० ङा. Br. 12, 4, 1, 10. — ञ्. अ०. G. Br. 1, 1, 8. Kāṭh. 73. Belege aus der klassischen Literatur: mit acc. der Sache; act.: न मूदतां अदधामि ते MBh. 4, 238. अदध्यां सर्वमेव ते 1373. R. 4, 8, 11. अदधुनेव तदाकम् 57, 1. 6, 98, 8. Spr. (II) 1595. Mān. P. 16, 3. med.: कस्ते अदधास्यते वचः MBh. 1, 2060. 5, 7406. 8, 1790. Prab. 52, 4. Bhāg. P. 3, 33, 11. Pāṇāt. 48, 6. 91, 4. अदधाय Bhāg. P. 3, 24, 5. pass.: अदधीयत प्रियतमेन वचः Cg. 9, 69. Bhāg. P. 10, 65, 12. mit gen. der Sache Bhāg. P. 2, 1, 10 (act.). अदध्यानाः पुरुषा धर्मस्यास्य Bhāg. 9, 3. Spr. (II) 3317. mit loc. der Sache: ये वैरिणः अदधते सत्ये सत्येतेरे (sc. वचसि) ऽपि वा 5564. mit gen. der Person; act.: कश्चिन् अदधास्यासाम् MBh. 2, 217. 4, 946. 5, 5995. R. Gora. 2, 109, 26. med. 3, 3, 7. mit acc. der Person: न अदधत तां दासीमन्वेतो रूपस्थिताम् *er glaubte nicht, dass* MBh. 4, 249. भूयोसं अदधतुर्विष्णुम् Bhāg. P. 10, 89, 15. mit acc. der Sache und abl. der Person *Etwas von Jmd erwarten*: न अदधाति कत्त्याणां पोभ्यो ऽप्यात्मशङ्कितः Spr. (II) 3469. Ohne Ergänzung; act.: अदधासि न चेत्स्वयम् MBh. 1, 3099. 5, 7499. R. 2, 24, 4. Spr. 3077. med.: अदधान M. 4, 158. 11, 39. Spr. 3030. 3032. Bhāg. 4, 40 (अ०). 12, 20. MBh. 3, 6050. Megh. 56. Varāh. Brh. S. 12, 17. Bhāg. P. 1, 12, 3. 10, 1, 12. Sāryadarśana. 32, 18. अदधित *Vertrauen habend* Bhāg. P. 10, 69, 18. अ० 8, 20, 14. — b) *sich einverstanden erklären, gutheissen*; mit acc. der Sache, act. Kāṭh. 31, 89. 44, 125. 45, 406. 103, 98. med. 16, 89. 44, 102. 118, 12. अदधाय 46, 136. 68, 68. 103, 112. mit acc. der Person *sich mit Jmd einverstanden erklären* so v. a. *Jmd willkommen heissen*; act.: अष्टौ यद्यपि नो को ऽत्र अदध्यात्स्वयमागता 114, 88. med. 5, 114. 21, 47. 24, 140. अदधाय 48, 136. ohne Ergänzung *seine Einwilligung geben, einstimmen*: तथेति अदधेतराम् 102, 85. अदधान 46, 198. अदधित *gut geheissen*: वचस् 74, 123. 82, 212. तथेति अदधिते राज्ञा 90, 85. *willkommen geheissen*: तच्छ्रुतः 26, 184. 119, 41. — c) *ein Verlangen haben nach Etwas*: नाकारं अदधे Kāṭh. 73, 359. देकं त्यह्यचिराकारः स्थितस्तत्र विलोक्य सः । दाशान्भक्तपतो मत्स्यान्मनसा अदधे नुधा ॥ 112, 139. mit infin. Bhāg. P. 3, 6, 35 (act.).

1. अथ, अश्नीति (विमोचनप्रतिरूपयोः) Dhātup. 31, 89. (अनु) अन्थति TS. अथति (मोक्षणे) Dhātup. 34, 17. अन्थते (शैथिल्ये) 2, 34. शमथे; अथ-तुम्, अथिथ P. 6, 4, 122. Vārt. auch अन्थतुम् शमन्थिथ Siddh. K. zu P. 1, 2, 6. Vop. 8, 52. 12, 6. 16, 5. शमथ, 1. शमथ्य und शमथ्य Siddh. K. zu P. 1, 2, 6. अथित्वा und अन्थित्वा Vop. 26, 206. 1) *locker —, los werden, nachgeben*: अमथ्यन्तुकात्रदस वीक्रिता RV. 2, 24, 3. अथिते नतीरिदेतेर्हते यते *sich nachgiebig zeigen* 9, 69, 3. अन्थते, अमथ्यिष्ठ मेखला zu P. 3, 1, 89. Vop. 24, 12. — 2) *schlaff —, wehrlos machen* RV. 10, 171, 3. अन्थति मेखलाम् zu P. 3, 1, 89. med. *sich* (dat.) *ablösen*: पाशान् AV. 14, 1, 57. — Vgl. शिथिर, शथ्.

— caus. अथयति (in der Saṃh. auch अथा० AV. Pāṇ. 4, 93) Dhātup. 34, 17 (आथयति मोक्षणे). 38, 18 (दौर्बल्ये). शिथयत्, शिथयत्. 1) *locker machen*: अत्रिम् RV. 10, 112, 8. 9, 68, 2. वल्गम् Ait. Br. 6, 24. *los*

*lassen, Raum geben*: अथया सूषणे तम् AV. 1, 11, 3. med. *schlaff werden, nachgeben*: न वो ऽश्नाः अथयताकृत् सिर्जतः RV. 5, 54, 10. वीराः 88, 4. 8, 88, 6 (wo अथयत्त st. अथयत्त zu lesen ist). — 2) *lösen, ablösen; erlassen*: एनांसि RV. 1, 24, 14. आगः 7, 93, 7. 5, 85, 7.

— अनु 1) *auflösen*: सोममुपनक्षति, अनुमन्थति TS. 6, 1, 9, 7. — 2) med.: अनु स्वं भानुं अथयते अण्विः *von sich ablösen* so v. a. *ausbreiten, umherstreuen* RV. 5, 59, 1. — caus. *etwa erschrecken* (trans.): मा बभु-य्या गा अनु शिथयः RV. 4, 32, 22.

— अन् caus. *ablösen* RV. 1, 24, 15.

— उद् caus. *auflösen* ebend.

— नि, अथय नि. 6, 4 zu einer Worterklärung, nach D. und Śā. so v. a. निथय.

— प्र vgl. प्रमथ fg.

— वि med. *für sich öffnen*: उभे आवा काच्येना वि शमथे RV. 9, 70, 2. — caus. 1) *lösen*: वि मच्छयाय रश्नाम् RV. 2, 28, 5. 1, 24, 15. पर्वणि AV. 12, 5, 71. — 2) *ablösen*: एनांसि RV. 4, 12, 4. — 3) *auflösen, zu Nichte machen*: वि पू मधः शिथयः 2, 28, 7.

2. अथ, अथति fehlerhaft für अथति v. l. in Naigh. 2, 19 und Dhātup. 19, 37. अथति und आथयति v. l. für अथ 34, 19. अथति v. l. für अन्थ 31, 41. आथयति 32, 13 (प्रयत्ने, प्रतिकर्षे). अन्थयति = अन्थ 34, 31 (सं-र्धे, वधे).

अथ m. nom. act. von 1. अथ; s. किम्.

अथर्प, अथति *los —, schlaff werden* RV. 10, 77, 4.

अदधान s. u. अन् 2); davon अता f. Glaube Spr. (II) 4030. MBh. 5, 2444. 14, 1048.

अदधत् partic. (I) = अदधान *gläubig* Muṇḍ. Up. 3, 2, 10.

अद्वा (अन् + धा) 1) adj. *vertrauend, treu*: घापः अद्वाः अद्वा वा अस्मै देवाः Kāṭh. 31, 3. TS. 1, 6, 8, 1; vgl. अ०. ङा. 2, 3, 28. — 2) f. gaṇa भि-दादि zu P. 3, 3, 104. Vop. 26, 193. indecl. (I) gaṇa स्वरादि zu P. 1, 1, 37. a) *Vertrauen, Zuversicht, Glaube; Treue, Aufrichtigkeit* Naigh. 3, 3. Nir. 9, 30. AK. 3, 4, 47, 105. H. an. 2, 252. Halā. 4, 95. निगमाचार्यवा-क्येषु भक्तिः अद्वेति विष्णुता Çaṅkarākārja in Verz. d. Oxf. H. 223, b, No. 544. im Joga definirt als योगविषये चेतसः प्रसादः Comm. zu Jogas. 1, 20. तां सत्यां अद्वाभ्यां हि यातम् RV. 1, 108, 6. त्वं अद्वाभिर्मन्दसानः सेमैर्दभीतये चुरुरिमिन्द्र सिध्प 6, 26, 6. 7, 32, 14. 8, 1, 31. स्त, सत्य, अद्वा 9, 113, 2. 4. 10, 151, 1. VS. 19, 20. 77. 20, 24. 18, 5. AV. 5, 7, 5. 9, 5, 21. 10, 2, 19. 6, 4. 11, 7, 9. 19, 64, 1. आ त्वेव अद्वापि होतव्यम् Ait. Br. 5, 27. 7, 10. स न चिकित्सेत्स ब्रूयात्सह अद्वाया 8, 15. अद्वाभिनारभ्य TS. 1, 6, 8, 1. TBr. 3, 7, 4, 1. कथं न्वेषामत्रैव अद्वा भवति ङा. Br. 1, 3, 4, 26. 11, 2, 3, 20. 3, 4, 1. अद्वापि वै देवा दीक्षां निर्मिमीत 12, 1, 2, 1. 3, 28. दीक्षापै ब्रूयं पच्छ्रुद्धा 8, 3, 4. fg. 14, 6, 9, 22. अद्वावित् 7, 3, 28. 9, 4, 12. Taitt. Up. 1, 11, 3. दानं प्रतिग्रहे होमः अद्वाया लक्षणां स्तम् Tattvas. 31. M. 3, 202. 259. 275. 4, 225. fg. Bhāg. 6, 37. 17, 3. अद्वाया वर्धते धर्मः R. 3, 43, 38. अद्वामिव विमानिताम् 5, 21, 10. अद्वाया प्राज्ञा वाक्यमेतदुवाच कृ 7, 50, 9. Kām. Nir. 11, 62. Ragh. 2, 16. Çāk. 188. Spr. 3033. fg. (II) 3069. धर्मकरणेषु (oder Lust an) 4318. 5816. Rāga-Tar. 6, 111. अद्वाया युक्तः AK. 3, 1, 27. अमेत Spr. 2770. अरुक्ति Weber, Rāmāt. Up. 349. अपूरितचेतस् Pāṇāt. 265, 15. कृत्रिमं LA. (III) 89, 7. अद्वा अतिषु संद्वे 91, 3.